9th HINDI SA-2- 04-02-2026 – HINDI PRIMARY KEY

SCAN HERE

I. खंड क : सूचनाओं के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **20 X 1 = 20**

1) A
2) C
3) B
4) D
5) A
6) C
7) B
8) A
9) D
10) A
11) B
12) C
13) D
14) A
15) B

नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्पों में से पहचानिए।

16) C
17) A
18) A
19) B
20) C

II. खंण्ड ख : सूचना के अनुसार प्रश्नों के उत्तर उत्तर पुस्तिका में लिखिए। **4 X 2 = 8**

21) अर्थ = चिंता दूर होना / बहुत खुशी होना / अत्यंत प्रसन्न होना।
वाक्य प्रयोग : परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने की खबर सुनकर मेरी जान में जान आ गई।

22) विग्रह वाक्य= चार राहों का समूह।
समास का नाम: द्विगु समास

23) संधि विच्छेद= महा +ईश्वर= महेश्वर
संधि का नाम: गुण संधि

24) अ) वर्तमान काल
आ) गोपी क्रिकेट खेलेगा।

III. खंड ग : सूचना के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।   5 x 4 = 20

25. निम्न लिखित अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए।

अ. युवक ने कारीगर को लगातार सब कीमती सामान लिफाफों से उतरवा लिया।

आ. युवक ने कीमती सामान को बाजार में बेच दिया।

इ. सामान बेचने से युवक को कई हजारों रुपये मिले।

ई. युवक ने बाकी पैसा सरकारी खजाने में जमा कर दिया।

26.निम्न लिखित अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।

अ. कबूतर को जाल में **शिकार ने** फँसा लिया।

आ. शिकारी के सामने आकर **हिरण** भागने लगा।

इ. मदद के लिए **कबूतर** पुकार रहा था।

ई. इस अनुच्छेद में **शिकार का श्रम** बेकार हो गया।

27. हमें अपनी मेहमान के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

उ- यह प्रश्न "जिस देश में गंगा बहती है" पाठ से दिया गया है।

कवि- श्री शैलेंद्र कुमार जी हैं।

★भारतीय संस्कृति में मेहमान को 'अतिथि देवो भव' (भगवान का रूप) माना जाता है।

★इसलिए हमें मेहमानों का आदर-सत्कार, प्रेम और नम्रता से व्यवहार करना चाहिए तथा उनके साथ विनम्रता और शांति से रहना चाहिए।

28. किसी भी सामान को खरीदते समय रसीद या बिल लेना क्यों आवश्यक है ?

उ- यह प्रश्न "जागो ग्राहक जागो " पाठ से दिया गया है।

★ किसी भी सामान को खरीदते समय रसीद / बिल लेना आवश्यक है।

★ यह खरीदारी का कानूनी प्रमाण होता है।

★ इससे वारंटी / गारंटी का लाभ मिल सकता है।

★ खराब सामान को बदलने या वापस करने में मदद मिलती है।

★ विवाद की स्थिति में यह सबूत के रूप में काम करता है।

29. बच्चों के जीवन में पाठशाला की क्या भूमिका होनी चाहिए ?

उ– बच्चों के जीवन में पाठशाला की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

★ पाठशाला बच्चों को शिक्षा और ज्ञान प्रदान करती है।

★ यह बच्चों में अच्छे संस्कार और अनुशासन विकसित करती है।

★ पाठशाला बच्चों के चरित्र निर्माण में सहायक होती है।

★ यहाँ बच्चे समाज में रहने के नियम और नैतिक मूल्य सीखते हैं।

IV. खंड घ : सूचना के अनुसार प्रश्नों के उत्तर आठ पंक्तियों में लिखिए। **4 X 8 = 32**

30. A) 'जिस देश में गंगा बहती है' कविता के आधार पर भारतवासियों के गुणों के बारे में अपने शब्दों में लिखिए।

उ- **परिचय:** यह प्रश्न 'जिस देश में गंगा बहती है' पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : जिस देश में गंगा बहती है
कवि का नाम : श्री शैलेंद्र कुमार जी
जीवन काल : 1923-1966
वशेषताएँ : कई प्रसिद्ध फिल्मी गीतों की रचना तीन बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित
:

सारांश: भारत एक पवित्र और महान देश है। भारतीयों के होंठों से सदा सच ही निकलता है। उनके दिल में सफाई ही रहती हैं। वे हर जान की कीमत जानते हैं। हम अपने मेहमान के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। क्यों कि हम मानते हैं- 'अतिथि देवोभवः'। हम अतिथि सत्कार करना है। हम अपने मेहमानों को प्राणों से भी ज्यादा मानना हैं।

भारतवासी मानवतावादी हैं। हम इंसानियता को अधिक महत्व देते हैं। संसार के कुछ लोग ज्ञान को महत्व देकर मानवता का मूल्य नहीं जानते हैं। लेकिन भारतावासी हर प्राणी का महत्व जानते हैं।

भारत की विशेषता है- 'अनेकता में एकता'। भारतवासी हमेशा मिल-जुल कर रहते हैं। मिज-जुल कर रहने से कई लाभ है। इससे देश की एकता बढ़ती है। भाईचारा की भावना बढ़ता है।

विशेषता: यह कविता भारतवासियों के सत्य, मानवता, अतिथि-सत्कार और 'अनेकता में एकता' जैसे गुणों का वर्णन करती है।

(अथवा)

B) 'मेरा जीवन' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

उ- परिचय-यह प्रश्न " मेरा जीवन" पाठ से दिया गया है।

पाठ : मेरा जीवन
कवयित्री : सुभद्रा कुमारी चौहान जी
जीवनकाल : 1904-1948
रचनाएँ : मुकुल, त्रिधारा

सारांश: कवयित्री कहती हैं कि मैं अपने जीवन में केवल हँसना ही सीखा है। मैं रोना या दुःखी होना नहीं जानती हूँ। मेरे जीवन में हमेशा सुख रुपी सोना ही बरसा है। मैं सदा प्रसन्न रहती हूँ।
मैं सुनती हूँ कि यह संसार सारहीन है। लेकिन वह तो मुझे सार ही दिखता है। मेरी आँखों के सामने हमेशा सुख सागर लहराता है। मेरे जीवन में हमेशा उत्साह और उमंग ही रहे। मेरा मन हमेशा विजय की खुशी में हँसता रहा।

मानव जीवन में आशा का महत्वपूर्ण स्थान है। आशा ही मानव को लक्ष्य साधन की ओर आगे बढने की प्रेरणा देती है। मेरी असफलता रूपी सुनहरे धागे से घेरी है। मेरे चारों ओर सुख रूपी सुनहरे बादल छाये रहते हैं। क्योकि मेरे जीवन के साथी विश्वास, प्रेम और साहस है।

विशेषता : इस कविता में कवयित्री ने आशा, उत्साह, विश्वास, प्रेम और साहस के साथ जीवन को प्रसन्नतापूर्वक जीने का संदेश दिया है।

31. A) पर्यावरण की रक्षा करने हेतु युगरत्न श्रीवात्सव के सुझाव क्या क्या है?

उ- परिचय: यह प्रश्न 'बदलें अपनी सोच' पाठ से दिया गया है। यह भाषण लेख पाठ है।

. **सारांश:** सितंबर, 2009 में संयुक्त राष्ट्र संघ में युगरत्ना श्रीवास्तव ने भाषण देते हुए इस तरह कहा 'हिमालय पिघलता जा रहा है। ध्रुवीय भालू मरते जा रहे हैं। हर दो व्यक्तियों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। पेड़-पौधे लुप्त हो जा रहे हैं प्रशांत महासागर का स्तर बढ़तस जा रहा है।

हमें अपनी धरती बचानी होगी। आज मजबूत नेतृत्व की ज़रूरत है। अब हर बालक को पर्यावरण की शिक्षा देना है। जैवमित्र तकनिकों में बढ़ोतरी होनी चाहिए। महात्मा गाँधी ने कहा था- 'धरती के पास सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता है। किसी के लालच की नहीं।

विशेषता: इस प्रकार युगरत्ना श्रीवास्तव ने पर्यावरण की रक्षा के लिए पर्यावरण शिक्षा बढ़ाने, पेड़-पौधों की रक्षा करने और जैवमित्र तकनीकों को अपनाने का सुझाव दिया है।

(अथवा)

B) 'रमजान' पर्व हमें सद्भावना सूत्र में बाँधकर मानव कल्याण का संदेश देता है। इस पर्व के बारे में आठ वाक्यों में लिखिए।

परिचय: यह प्रश्न रमज़ान पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : रमज़ान
विधा : निबंध

. **सारांश:** भारत प्राचीन और विशाल देश है। यहाँ अनेक धर्मों व जातियों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों के लोग विविध प्रकार के उत्सव व त्यौहरा मनाते हैं। ऐसे त्यौहारों में 'ईद-उल-फितर' भी एक है। इसे 'रमज़ान' भी कहते हैं।

इस्लाम धर्म का प्रमुख त्यौहार 'रमज़ान' है। वास्तव में यह नौवें महीने का नाम है। इस्लाम धर्म के पाँच बुनियादी सिद्धांत हैं।१. तौहीद २. नमाज़ ३. रोज़ा ४. जकात ५. हज

इस्लाम धर्म का तीसरा सिद्धांत 'रोज़ा' है। 'रोज़ा' मानी उपवास है। रमज़ान महीने के भर रोज़े रखते हैं। रोज़ा करने के लिए सूर्यादय से लगभग डेढ़ घंटा पहले आहार लिया जाता है। इसे सहरी कहा जाता है। सहरी के बाद उपवास आरंभ हो जाता है। उपवास में पानी पीना तक मना है। सुर्यास्त के साथ ही खजूर, मेवा, फल, पानी आदि से रोज़ा खोला जाता है। इसे 'इफतार' कहते हैं।

रमज़ान के रोज़े पूरे होते ही अगले दिन 'ईद-उल-फितर' मनाते हैं। यह शब्वाल महीने का पहला दिन है। ईद के दिन सब नये कपड़े पहनते हैं, इत्र लगाते हैं। विशेष रूप से सेवइयाँ बनाते हैं। ईद की नमाज़ ईदगाह में पढ़ते हैं। यह पावन पर्व हमें सद्भावना के सूत्र में बांधकर मानव कल्याण का संदेश देता है।

विशेषता: यह पर्व सद्भावना, भाईचारे और मानव कल्याण का संदेश देता है तथा लोगों को एकता के सूत्र में बाँधता है।

HAMARI HINDI

32. A) भाई की शादी में भाग लेने के लिए तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए कक्षाध्यापक के नाम पत्र लिखिए ?

(अथवा)

B) बस्ती की सफाई ठीक नहीं है। बस्ती में गंदगी फैली हुई हैं। इसको सूचित करते हुए कमीशनर के नाम एक शिकायती पत्र लिखिए।

अंक विभाजन

1. स्थान	-	1 अंक
2. दिनांक	-	1 अंक
3. संबोधन	-	1 अंक
4. पता	-	1 अंक
5. भाषा एवं विषय की अनुकूलता	-	4 अंक
कुल		8 अंक

33. A) "दूरदर्शन मानव प्रगति का अनोखा आविष्कार है।" इसका वर्णन कीजिए।

(अथवा)

B) अपने मनपसंद "राष्ट्रीय त्यौहार" का वर्णन कीजिए।

अंक विभाजन

अ) प्रस्तावना / भूमिका	-	2 अंक
आ) विषय विस्तार, विषय विश्लेषण	-	4 अंक
इ) मौलिक भाषा	-	2 अंक
ई) उपसंहार	-	2 अंक
कुल		10 अंक

अध्यापक/अध्यापिका के हस्ताक्षर   प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर